समाचार

02 अक्टूबर गांधी जयंती

महापौर ने साकेत में किया मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन

कोरबा 02 अक्टूबर 2020 –महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद ने आज 02 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर साकेत भवन में प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के संदेश का छत्तीसगढ़ी में वाचन किया तथा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री के जन्म के पावन अवसर पर आमजन को बधाई व शुभकामनाएं दी। इस मौके पर सभापति श्री श्यामसुंदर सोनी, आयुक्त श्री एस.जयवर्धन, अपर आयुक्त श्री अशोक शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ शासन के दिशा निर्देशों के अनुसार 02 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर आज नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत में कोविड–19 के प्रोटोकाल का पालन करते हुए संक्षिप्त कार्यक्रम रखा गया। महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद ने प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के द्वारा भेजी गई पाती में समाहित संदेश का वाचन छत्तीसगढ़ी भाषा में किया। इसके पूर्व महापौर श्री प्रसाद, सभापति श्री सोनी, आयुक्त श्री जयवर्धन ने महात्मा गांधी के तैलचित्र पर पुष्पमाला अर्पण कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर निगम के अधीक्षण अभियंता ग्यास अहमद, कार्यपालन अभियंता एम.के.वर्मा, ए.के.शर्मा, एम.एन.सरकार, आर.के.चौबे, भूषण उरांव, आर.के.भोजासिया, उपायुक्त बी.पी.त्रिवेदी, लेखाधिकारी आनंद गुप्ता, निगम सचिव पवन वर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी व्ही.के.सारस्वत, डॉ.संजय तिवारी, सम्पत्तिकर अधिकारी श्रीधर बनाफर, नासिर सईद, राकेश मसीह, अरविंद वानखेड़े, अरूण मिश्रा, लीलाम्बर यादव, बनवारी शर्मा, सरस देवांगन, मनीष दुबे, परमेश्वर शर्मा, विकास शुक्ला आदि के साथ अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री जी का संदेश–प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा गांधी जयंती पर पंचायत तथा नगरीय निकाय के पदाधिकारियों के नाम भेजी गई पाती में समाहित अपने संदेश मे उन्होनें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्मदिन के पावन अवसर पर सबको बधाई व शुभकामनाएं दी हैं तथा कहा है कि बापू का जीवन संघर्ष और

उपलब्धियां, देश और दुनिया के लिए महत्वपूर्ण थी, इसी लिए बापू का जन्मदिन समूची मानवता के लिए महान पर्व है। दुनिया को किसी भी तरह के उपनिवेशवाद से, साम्राज्यवाद से, हिंसा, अन्याय, दमन और शोषण से बाहर निकालना है तो बापू के रास्ते पर चलना होगा। राज्य और प्रकृति के संसाधनों की हिफाजत और उपयोग एक ट्रस्टी की तरह करना होगा। अन्याय के खिलाफ सत्याग्रह करना होगा, आज जब हम भौतिक विकास के अंधेरे पहलुओं को रोशन करने की सोचते हैं तो एक मात्र रास्ता नजर आता है, गांधीवाद का रास्ता। हमारी सरकार ने बापू के रामराज्य की अवधारणा को जीवंत किया है। नरवा–गरवा–घुरवा–बारी, सुराजी गांव, गोठान, खेत–खलिहान, जल–जंगल–जमीन और वनोपज का सम्मान, आदिवासियों और कमजोर तबको का मान जैसे शब्द हमारे शासन–प्रशासन के लिए बीज–मंत्र बन गए हैं। समुदाय के हाथों में असली शक्ति देकर हम ग्राम स्वराज का सपना साकार कर रहे हैं, जिसका ताजा उदाहरण है सामुदायिक वन अधिकार पट्टे देने का राष्ट्रीय कीर्तिमान। मैं चाहूंगा कि आप सब बापू की नजर से देखें कि आपके द्वारा किया गया हर कार्य किस प्रकार समाज के सबसे कमजोर व्यक्ति के लिए हितकारी होगाा। एक ऐसा छत्तीसगढ़ बनाना है जिसमें अंतिम तक पंक्ति का अंतिम व्यक्ति भी न्याय से वंचित नहीं होगा। हमने अपनी योजनाओं के जरिए न्याय को सही मायने में छत्तीसगढ़ की ताकत बनाने की कोशिश की है। सत्ता संभालते ही एक उद्योग के लिए अधिग्रहित बस्तर के आदिवासियों की जमीन लौटाने, किसाने के कर्ज माफ करने जैसे कार्यो से अपना इरादा जाहिर कर दिया था कि छत्तीसगढ़ बापू की बताई राह पर चलेगा। गोधन न्याय योजना के जरिए गोबर की खरीदी भी एक विनम्र प्रयास ही है ताकि इस संकटपूर्ण समय में सबसे वंचित भी गरिमापूर्ण जीवन जी सके। बापू ऐसा ही तो समाज चाहते थे। हमें हर तबके की जरूरतों का ख्याल है, हमारे पास नवा छत्तीसगढ़ गढ़ने की एक स्पष्ट दृष्टि है, जिसका नाम है–महात्मा गांधी। लेकिन साथियों हमारे लोकतंत्र ने आपके कंधों पर एक बड़ी जिम्मेदारी दी है–गांधी के सपनों का नवा छत्तीसगढ़ गढ़ने की कोशिशों को अपने गांव मोहल्ले और गलियों तक ले जाने की, आपकी जिम्मेदारी है कि ऐसी तमाम योजनाओं पर निगरानी रखें और इसका लाभ जन–जन पहुंचाने में भागीदार बने। आईए हम सब मिलकर बापू के सपनों का छत्तीसगढ़ गढ़ने का जतन करें।